शहर की जनता से रिश्ता
छत्तीसगढ़ का पहला मिड-डे अखबार
हिन्दी दैनिक
जो दिखेगा वो छपेगा
METRO
03
» रायपुर, बुधवार 12 जून 2019 » ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष, नवमी

पेज 4
राज्य में कला परिषद गठित करने सरकार...

ताजा खबर

संक्षिप्त

सीएम हाउस के सामने नाबालिग की जमकर पिटाई, थाने में शिकायत दर्ज

रायपुर। सीएम हाउस के सामने देर रात एक नाबालिग की अज्ञात लोगों ने जमकर पिटाई कर दी। नाबालिग ने बताया कि कुछ लोग पुलिस की गाड़ियों से उतरे और उसको पीटना चालू कर दिया। इस दौरान वहां दो पुलिस वाले मौजूद थे। लेकिन उन्होंने रोकने की कोशिश नहीं की। पुलिस वालों के सामने पिटाई करते रहे। इस घटना की जानकारी उन्होंने अपने परिजनों को दी। इसके बाद परिजन आरोपियों की शिकायत करने सिविल लाइन थाना पहुंचे। नाबालिग ने पुलिस को बताया कि वह अपने बहन को लाने संजीवनी 108 के ऑफिस जा रहा था। बहन संजीवनी एक्सप्रेस 108 में काम करती हैं। पीड़ित के पिता ने बताया कि सीएम हाउस के सामने लोगों की पिटाई हो जा रही है तो दूसरी जगह पब्लिक का क्या हाल है इसका अंदाज़ा लगाया जा सकता है। बच्चे मार खाने के बाद एक घंटे तक वहां खड़े रहे। वहां मार खाते समय पुलिस वाले भी मौजूद थे। उन्होंने सीएम हाउस के पास लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच कर मारने वाले लोगों को गिरफ़्तार करने की मांग की है।

पंद्रह साल के छात्र पर तीन नकाबपोशों ने फेंका तेजाब

रायपुर। राजधानी में दिन दहाड़े एक नाबालिग लड़के पर तीन अज्ञात लोगों ने एसिड अटैक किया है। लड़के को

गंभीर हालात में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद से आरोपी फ़रार है। जिसकी तलाश राजधानी पुलिस कर रही है। दरअसल घटना आज दोपहर की है। पीड़ित का नाम सुनील साहू हैं जो कि 10 वीं का छात्र है और आज दोपहर अपने घर न्यू राजेन्द्र नगर इलाके के हनुमान मंदिर के पास मौजूद था, उस दौरान तीन युवक लाल कलर की बाईक से पीछे से आये और एसिड अटैक कर वहां से फ़रार हो गये। तीनो अज्ञात आरोपियों ने चेहरे पर नकाब पहना हुआ था। जिस वजह से उनकी पहचान नहीं हो पायी। इस हमले में छात्र के चेहरे और हाथ में चोट आई है। घायल अवस्था में छात्र को परिवार वालों ने अस्पताल में भर्ती कराया हैं जहां पर उसका इलाज जारी है। इधर घटना की सूचना मिलते ही मौके पर उरला पुलिस पहुंचकर आरोपी की खोजबीन शुरू कर दी है। पुलिस की टीम ने हादसे वाली जगह पर लगे सारे सीसीटीवी को घंगाल रही है साथ आस पास के लोगों से आरोपियों के संबंध में पूछताछ कर रही है। वहीं पुलिस घटना में शामिल आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार करने की बात कर रही है।

डिप्टी कलेक्टर गर्लफ्रेंड के साथ मना रहे थे एसडीएम रंगरेली

रायपुर । राजधानी में महिला डिप्टी कलेक्टर के साथ एसडीएम रंगरेली मनाते पकड़ाया है। एसडीएम और उनकी डिप्टी कलेक्टर गर्लफ्रैंड का मामला छत्तीसगढ़ के एक औद्योगिक जिले से जुड़ा है। राजधानी के गेस्ट हाउस में देर रात दोनों को एक ही कमरे में एसडीएम की पत्नी ने रंगे हाथों पकड़ा है। दरअसल एसडीएम की पत्नी भी रायपुर में ही बतौर जज पदस्थ हैं। जज पत्नी को इस बात की खबर मिली थी कि उसके हसबैंड अपनी डिप्टी कलेक्टर गर्लफ्रैंड के साथ रायपुर आये हुए हैं, जहां वो एक ही कमरे में रूके हैं। पत्नी इस खबर के बाद गुस्से में खुद ही गेस्ट हाउस पहुंच गयी। ये गेस्ट हाउस एनटीपीसी का है, जो एयरपोर्ट रोड, फ्लावर वैली कालोनी के बंगला नंबर-22 में मौजूद हैं। वहां उसने देर रात अपनी नजरों के सामने पति को महिला डिप्टी कलेक्टर के साथ देख लिया। देखते ही इस नजारे को जज पत्नी भड़क गयी।

पाठक फीडबैक
अपनी शिकायत, सुझाव व गोपनीय समाचार के लिए संपर्क करें-
9827131777
jantaserishta@gmail.com
व्हाट्सअप - 9425507771

विधानसभा का मानसून सत्र 12 जुलाई से, अधिसूचना जारी

रायपुर (जसेरि)। छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र 12 जुलाई से होगा। इसे लेकर अधिसूचना जारी कर दी गई है। पांचवीं विधानसभा के यह दूसरा सत्र 19 जुलाई तक चलेगा और इसमें छह बैठकें होंगी। मानसून सत्र के हंगामेदार होने के पूरे आसार हैं। शराबंदी, बिजली कटौती और कानून व्यवस्था जैसे मामलों को लेकर विपक्ष घेराबंदी करेगा। वहीं सरकार की ओर से अनुपूरक बजट भी इसी सत्र में लाए जाने की संभावना है।

भाजपा और जोगी कांग्रेस के तीखे तेवरों का सदन में सरकार को सामना करना पड़ सकता है। विपक्ष ने राज्य सरकार के लिए घेराबंदी कर रखी है। शराबबंदी पर वादाखिलाफी, कर्जमाफी के नाम पर किसानों से छलावा, बेरोजगारी भत्ता, दंतेवाड़ा विधायक भीमा मंडावी की हत्या, कानून व्यवस्था, भाजपा नेताओं के खिलाफप्रदेशभर में दर्ज किए जा रहे आपराधिक मामले जैसे विभिन्न मुद्दों की फेहरिस्त तैयार की गई है।

विधानसभा का सबसे छोटा सत्र, कांग्रेस सरकार पर भाजपा का तंज : नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने भूपेश सरकार द्वारा विधानसभा का सबसे छोटा सत्र आहूत किये जाने पर गंभीर आपत्ति की है। कौशिक ने कहा कि भूपेश सरकार मूल रूप से तानाशाही की भावना के साथ काम करने वाली सरकार है। इतने बड़े जनादेश के बावजूद शासन द्वारा सदन का सामना करने के प्रति अनिच्छुक दिखना यह जाहिर करता है कि वह विपक्ष से बुरी तरह डरी हुई है।

कौशिक ने कहा कि मानसून सत्र में चर्चा लायक दर्जनों बड़े मुद्दे हैं जिसपर विस्तार से चर्चा होना चाहिए। विधानसभा चुनाव में चुनावी लाभ के लिए बड़े-बड़े वादे करना और अब लगभग उन सभी वादों से मुकर जाने की स्थिति, नरवा, गरूवा, घुरवा, बारी, किसानों की कर्ज माफी, आदिवासियों का बढ़ता असंतोष, गंभीर होती नक्सल समस्या, वेतन विसंगति, प्रदेश की बेकाबू होती, आर्थिक स्थिति, शराबबंदी का शिगूफा और इस पर रोज उजागर होते घोटाले समेत अनेक विषय ऐसे हैं, जो छत्तीसगढ़ के भविष्य से जुड़े हुए हैं। ये ऐसे विषय हैं जिस पर प्रदेश को विकास की राह तय होती है। श्री कौशिक ने कहा कि लाखों युवाओं को रोजगार का वादा करके सत्ता में आयी कांग्रेस ने अभी तक इन सबसे संबंधित कोई विजन प्रस्तुत नहीं किया है, प्रदेश शासन तमाम रचनात्मक विषयों को छोड़ कर केवल प्रतिशोध की राजनीति, बदलापुर और गुटीय राजनीति में उलझी है। निश्चय ही इन तमाम मुद्दों पर शासन को जवाब देना भारी पड़ जाता, इसलिए मानसून सत्र के नाम पर महज रस्म अदायगी कर निकल जाने की फिराक में है सरकार। यह घोर आपत्तिजनक है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र से लेकर प्रदेश तक लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति सतत अनादर कांग्रेस की परिपाटी रही है। अब पार्टी को इससे बाहर निकल कर वास्तविक विषयों का सामना करना होगा। ऐसा कर ही कांग्रेस सरकार संविधान के शपथ के प्रति प्रतिबद्ध हो सकती है।

श्री कौशिक ने मानसून सत्र को पर्याप्त लंबा करने की मांग की है, उन्होंने कहा कि सदन में भले भाजपा के पास कम संख्या बल है लेकिन, पार्टी ने यह साबित किया है कि वह लोकहित से जुड़े मुद्दे पर पार्टी पर्याप्त प्रखर और मुखर है। शासन को विपक्ष का समाना करना ही होगा, भाजपा छत्तीसगढ़ और उसके भविष्य से जुड़े ही मुद्दे पर सदन से लेकर सड़क तक की लड़ाई पहले की भांति ही, लड़ती रहेगी। अगर सरकार यह समझ रही है कि सत्र को छोटा कर वह अपने दायित्व से बच जायेगी, तो उसे इस मुगालता से बाहर आना होगा। कौशिक ने विधायी परंपराओं के प्रति विनम्र और विपक्ष के प्रति सहिष्णु होने की चेतावनी देते हुए शासन से अपने निर्णय पर फिर से विचार करने की मांग की है।

प्रदेश युकां अध्यक्ष पाढ़ी का विरोध, राहुल से शिकायत

रायपुर। यूथ कांग्रेस का नये प्रदेश अध्यक्ष पूर्णचंद पाढ़ी उर्फ कोको पाढ़ी के खिलाफ बगावत के हालात हो गए हैं। प्रदेश के यूथ कांग्रेस के सभी दूसरे बड़े नेताओं ने कोको पाढ़ी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। यूथ कांग्रेस के एक कार्यकारी अध्यक्ष और तीन उपाध्यक्षों ने दिल्ली में शिकायत करने गए थे। इनमें से प्रदेश के तीनों उपाध्यक्षों ने मंगलवार को कांग्रेस के मौजूदा राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी से मिलकर शिकायत की है और मांग की है कि इस नियुक्ति को रद्द किया जाए। शिकायत में पूर्णचंद पाढ़ी द्वारा विधानसभा चुनाव से पहले राहुल गांधी के खिलाफ की गई विवादित टिप्पणी और चुनावी प्रक्रिया का पालन न करने का हवाला दिया गया है। लल्लूराम डॉट कॉम के पास वो चिट्ठी है जो राहुल गांधी को दी गई है।

छोटे भूखंडों की रजिस्ट्री से बढ़ा राजस्व, दो महीने में 10 करोड़ का फायदा

आचार संहिता हटने के बाद हुई रिकार्ड 45 सौ रजिस्ट्री

जसेरि रिपोर्टर

रायपुर। प्रदेश में छोटे भूखंडों पर रोक हटने के बाद से ही जमीनों की रजिस्ट्री में तेजी आयी हैं। जहाँ एक ओर आये दिन जिला पंजीयन कार्यालय में रजिस्ट्री करने का दबाव बढ़ा हुआ हैं। वही दूसरी ओर जिला पंजीयन कार्यलय से मिली जानकारी के अनुसार अभी वर्तमान में रोज 30 -40 जमीनों का पंजीयन किया जा रहा है, बीच में सर्वर डाउन होने की वजह से कार्य धीमे हो गये थे पर सर्वर ठीक होते ही वापस रजिस्ट्री में गति बढ़ी हैं। इस तरह जमीनों की बढ़ती रजिस्ट्री से शासन के राजस्व में भी बढ़ोतरी हुआ है। जमीन धारकों को भी अब जमीन के पंजीयन में राहत मिलने से खरीदी-बिक्री में आसानी हुई है।

छोटे भूखंडों को राहत : नई सरकार ने अपने जनघोषणा पत्र में किये वादे पूरे करते हुए छोटे भूखंडधारको के लिए लगे रोक को हटा लिया हैं। वही राजस्व विभाग ने नए आदेश को सभी जिले पंजीयन कार्यालय में निर्देश कर दिया है। इस निर्देश के बाद से जिले के पंजीयन कार्यलय में लोगो की भीड़ बनी हुई रहती हैं। वही इस आदेश के बाद से नए वित्तीय विभाग के अनुसार सिर्फ दो महीनों में ही पंजीयन कार्यालय का राजस्व 10 करोड़ रूपए से अधिक बढ़ गया हैं। इतना ही नहीं नियम में राहत मिलते ही विगत दो महीनों में रजिस्ट्री करने की तादाद 4500 से ऊपर हो गयी हैं। भूखंडधारकों को पिछले चार सालों में कई परेशानियों का समाना भी करना पड़ा पर अब नए भूपेश सरकार के फैसले के बाद काफी राहत है।

क्या था पुराना आदेश

बता दे कि तत्कालीन भाजपा सरकार ने 2014 में राजधानी समेत पूरे प्रदेश में पांच डेसीमल (2178) फ़ीट छोटे प्लेटों के नामांतरण पर रोक लगा दी थी। बाद में फिर धीरे से रजिस्ट्री पर भी पाबंदी लगा दिया गया था। इतना ही नहीं हाउसिंग और आरडीए द्वारा अनुमोदित ले-आउट भुंइया सॉफ्टवेयर में अपलोड नहीं किया गया था। इतना ही नहीं ऐसे प्रकरणों में संसथान द्वारा जारी एनओसी के आधार पर भूखंडो का पंजीयन किया जाने का आदेश था। पूर्व सरकार का ऐसा मानना था कि छोटे भूखंडों का सीमांकन बटांकन नहीं हो पाता था और इस तरह के छोटे भूखंडों की पहचान में भी परेशानी को देखते हुए यह फैसला लिया गया।

> इस साल नए वित्तीय पिछले दो महीनो में 4500 से अधिक लोगों ने अपनी जमीन का पंजीयन कराया है वही इससे राजस्व में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही हैं। और नए आदेश के बाद छोटे भूखण्डधारकों द्वारा लम्बे इंतजार के बाद उनकी रजिस्ट्री की संख्या बढ़ी है ।
>
> **-बी.एस नायक,** रजिस्ट्रार जिला पंजीयन कार्यालय

बिना लाइसेंस, सर्टिफिकेट अवैध धंधा

नीम-हकीमों के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई, आधा दर्जन दबोचे

रायपुर (जसेरि)। झोलाछाप यानी नीम-हकीमों के खिलाफ आ रहीं शिकायतों को देखते हुए प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी ने नायब तहसीलदार और आयुर्वेद चिकित्सकों की संयुक्त टीम बनाकर कार्यवाही करने के आदेश दिए हैं। उनके निर्देश पर मंगलवार को छह नीम-हकीम दबोचे गए। दो नीम-हकीम टीम को देखकर फ़रार हो गए। जिन्हें पकड़ा गया, उनके पास से कोई सर्टिफिकेट नहीं मिला, जिससे इलाज कर सकें। इन पर चिकित्सा प्रणाली अधिनियम 370 के अंतर्गत कार्यवाही के आदेश दिए गए। राजधानी में लगातार गलत इलाज से हुए नुकसान के प्रकरण अधिकारियों के समक्ष आ रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार जिला कार्यालय में झोलाछाप के खिलाफलगभग 600 शिकायतें साल भर में आईं थी। देश में चिकित्सकों को यूनानी, होम्योपैथी, आयुर्वेदिक, एलोपैथी आदि पद्धतियों में इलाज करने के लिए भारतीय चिकित्सा केंद्र परिषद अधिनियम -370 के तहत पंजीयन कराना होता है। राज्य के छत्तीसगढ़ आयुर्वेद, यूनानी तथा प्राकृतिक चिकित्सा व्यवसायी 1970 अनुकूलन आदेश (2001) के तहत इलाज करने का प्रावधान है।

अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी के आदेश पर कार्रवाई

> अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी के आदेश पर राजधानी में नायब तहसीलदार के नेतृत्व और पुलिस के सहयोग से आठ जगहों पर झोलाछाप के खिलाफकार्यवाही की गई। छह झोलाछाप मौके पर पकड़े गए, दो फ़रार हो गए।
>
> **-डॉ. दीवान,** रजिस्ट्रार आयुष विवि

पुलिस भर्ती परीक्षा का रिजल्ट जारी नहीं होने से नाराज परीक्षार्थियों ने दिया धरना

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के इदगाह भाठा में करीब 100 युवाओं के दल ने मंगलवार को धरना प्रदर्शन किया. पुलिस आरक्षक पद की भर्ती की सारी प्रक्रियाओं के बाद भी रिजल्ट जारी नहीं किए जाने के विरोध में युवाओं ने प्रदर्शन किया. प्रदर्शनकारियों में सभी ने पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा दी है. इन युवाओं ने सरकार के खिलाफजमकर नारेबाजी करते हुए जल्द परिणाम जारी करने की मांग की. बता दें कि छत्तीसगढ़ के बिलासपुर हाई कोर्ट के आदेश के बाद भी कांस्टेबल भर्ती परीक्षा परिणाम जारी नहीं किये जाने पर याचिकाकर्ताओं ने फिर से कोर्ट की शरण भी ली है. आक्रोशित परीक्षार्थियों ने बीते 10 जून को हाई कोर्ट पहुंच कर अपने अधिवक्ता के माध्यम से अवमानना याचिका दायर करने की प्रक्रिया पूरी की. इसके बाद आज रायपुर में प्रदर्शन करने पहुंचे. युवाओं ने भूपेश सरकार के खिलाफजमकर नारेबाजी की.

निजी स्कूलों में फीस नियामक आयोग के गठन पर विचार: प्रेमसाय टेकाम

रायपुर। राजीव भवन में स्कूल शिक्षा मंत्री प्रेमसाय सिंह टेकाम ने कार्यकर्ताओं के साथ आए पालकों की समस्या सुनी और फीस निर्धारण के लिए नियामक आयोग बनाने की पहल पर विचार करने का आश्वासन दिया.। वहीं शिक्षा गुणवत्ता के लिए हर ग्राम में एक प्रायमरी, एक मिडिल आदर्श स्कूल बनाने की बात कही। उन्होंने बताया कि अधिकतर ग्रामीण स्तरों में शिक्षकों की कमी है उसके लिए सरकार के द्वारा कुछ बेहतर निर्णय लिया जायेगा । फ़िलहाल 15 हजार रिक्त पदों के लिए शिक्षकों की भर्ती हो रही है। जिसमें अधिकांश अंग्रेजी व विज्ञान के शिक्षकों की पूर्ति होगी। वहीं बस्तर और सरगुजा में शिक्षकों की अधिक कमी है, जिससे वहां के क्षेत्र में शिक्षकों की भर्ती की जा रही है। वहीं स्कूलों में छत्तीसगढ़ी भाषा की सफल होने की बात पर उन्होंने कहा कि अलग-अलग क्षेत्र में अलग-अलग तरह की छत्तीसगढ़ी भाषा बोली जाती है। जिससे उसे उस क्षेत्र की स्थानीय बोली पर पढ़ाया जाए उसके लिए निर्णय लिया गया है। इसके अलावा निजी स्कूलों मनमानी फीस लेने की बात पर मंत्री ने कहा कि इस तरह की समस्या पालकों की ओर से आई है। उसके लिए नियामक आयोग बनाकर जल्द ही चर्चा की जाएगी। वहीं निजी स्कूलों को जिन शर्तो पर मान्यता दी गई है उन शर्तो की पालन कर रहे है या नहीं इसकी जांच कर उस पर कार्रवाई की जाएगी।

डेढ़ करोड़ फूंकने के बाद भी नहीं हुआ गहरीकरण

भाजपा सरकार के बंदरबाट का शिकार मच्छी तालाब

रायपुर (जसेरि)। भाजपा सरकार में बंदरबाट का एक और नमूना गुढ़ियारी का मच्छी तालाब है, जहां गहरीकरण और सौंदर्यीकरण के नाम पर ठेकेदार और नेताओं ने बिना कांटा निकाले डेढ़ करोड़ फिसफ्राय समझकर हजम कर गए। किसी ने मानीटरिंग कार्य की ही नहीं किया, सारा काम भगवान भरोसे होते रहा। जिसका खामियाजा रहवासियों को एक-एक बूंद पानी के लिए तरसना पड़ रहा है।

सौन्दर्यीकरण करने के नाम पर करोड़ों रूपए फूंके जा चुके है, निगम प्रशासन की टीम एक बार झांकने तक नहीं गई। गुढ़ियारी मच्छी तालाब का सौन्दर्यीकरण कार्य पिछले एक साल से चल रहा है लेकिन अभी तक पूरा नहीं हो पाया है । घनी आबादी वाला क्षेत्र पानी की समस्या से जूझ रहा है । निम्न और गरीब वर्ग के लोग गर्मी के समय इसी तालाब पर निर्भर रहता है।

पिछले साल जून के पहले इस कार्य को शुरू किया गया था लेकिन अब तक पूरा नहीं किया जा सका है। सौन्दर्यीकरण करने तालाब को खाली किया गया, लेकिन कार्य जल्दी नहीं होने के कारण बरसात में फिर से

तालाब में पानी भर गया था। फिर से पानी की खाली कराया गया। इस दौरान डेढ़ करोड़ डूब गया, लेकिन सौंदर्यीकरण हुआ न गहरीकरण ठेकेदार अगस्त ऋषि को इष्ट मानकर डेढ़ करोड़ पी गया।

बूंद-बूंद पानी के लिए मोहताज

गुढ़ियारी पड़ाव के आसपास के रहवासी निस्तारी और अन्य कामकाज के लिए मच्छी तालाब पर ही आश्रित रहते है लेकिन पिछले एक साल से सूखा होने के कारण स्थानीय निवासी बूंद-बूंद पानी के लिए मोहताज है।

बाउंड्री वाल अधूरा

एक साल से अधिक समय से बन रहे तालाब को लोहे से बने रॉड से घेरा जा रहा है लेकिन अभी भी पूरी तरह कार्य को संपन्न नहीं किया गया है। जगह-जगह लोहे के रॉड अभी भी बिखरे पड़े है। जिससे स्थानीय निवासी अभी भी परेशान चल रहे है।

अवैध कब्जाधारियों के जद में तालाब

तालाब के आस-पास चारों तरफ सैकड़ों कब्जाधारियों के कब्जे में तालाब की जमीन है, राजनीति रसूखदारों ने तालाब पर ही कब्जा कर लिया है। इसे हटाने के लिए निगम प्रशासन द्वारा अभी तक कोई कार्रवाई नहीं किया जा रहा है, नतीजन इस तालाब में आसपास के बसाहट का मलमूत्र सीधे तालाब में जा रहा है।

आधा-अधूरा कार्य

डेढ़ करोड़ में भी इस तालाब का ठीक से गहरीकरण नहीं किया गया है अभी तालाब के ऊपरी सतह में दलदल का सूखा परत आसानी से देखने को मिल सकता है। सौन्दर्यकरण कराने के नाम में केवल खानापूर्ति ही किया गया है। जब हमारी टीम मौके पर पहुंची तो देखा की तालाब के चारो ओर पाथवे का काम अधूरा है पाथवे बनाने के लिए जिस टाइल्स को लगाया जाना है वो भी यहाँ-वहाँ पड़ा हुआ था।

> पुरानी भाजपा सरकार के कार्यकाल में हमने इस कार्य को लिया था एवं पूरी लागत राशि भाजपा सरकार के द्वारा ही मिला है कांग्रेस सरकार ने कुछ मदद भी नहीं किया। और यह कार्य अंतिम चरण में है कुछ दिनों में ही संपन्न हो जाएगा।
>
> - **नीता विनोद अग्रवाल,** पार्षद

28 कोचिंग सेंटरों में निगम की जांच अग्नि सुरक्षा यंत्र लगाने के निर्देश

रायपुर (जसेरी)। आयुक्त शिव अनंत तायल के निर्देश पर नगर निगम अधिकारियों ने रायपुर शहर के सभी 08 जोन में कोचिंग केन्द्रों एवं अन्य भवनों का निरीक्षण कर अग्निशमन सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इसके अंतर्गत सभी 08 जोन के 28 स्थानों का निगम के विषेष दस्ते ने जांच पड़ताल की इनमें से 7 जगहों पर अग्निशमन सुरक्षा व्यवस्था में कमी पाये जाने पर जुर्माने की कार्यवाही की गई। जांच दल ने इस संस्थाओं के संचालकों से कुल 43 हजार रुपए जुर्माने के रूप में वसूला तथा संचालकों को नियमानुसार अग्निशमन हेतु व्यवस्था करने का निर्देश दिया।

ज्ञात हो कि कोचिंग सेंटर व अन्य षैक्षणिक संस्थाओं की सघन जांच कर नगर निगम की टीम अग्निषमन व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में जुटी हुई है, इसके तहत विगत माह से जांच दल षैक्षणिक संस्थाओं का निरीक्षण कर कार्यवाही कर रहा है। आयुक्त श्री तायल के निर्देष पर सभी जोन कमिष्नर के नेतृत्व में जांच दल ने आज भी कार्यवाही की है। सभी जोन में इस कार्यवाही के तहत 28 संस्थानों की जांच की गई, जिनमें से 21 संस्थानों में अग्निषमन सुरक्षा समुचित पायी गई।

विद्यार्थियों की सुरक्षा में लापरवाही बरतने पर जोन 6 के अंतर्गत वल्लभ नगर एवं पचपेड़ी नाका में संचालित कोचिंग सेंटर पर दो-दो हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। जोन 8 के अंतर्गत एक संस्थान पर 5 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। इसी तरह जोन 5 के तहत समता कालोनी व आमापारा के दो सेंटर पर 25 हजार रुपए का जुर्माना वसूला गया। जोन 3 के अंतर्गत 2 संस्थानों पर जुर्माने की कार्यवाही आज की गई है।